विचार बिन्दु

निरंतर विकास जीवन का एक नियम है। और जो भी व्यक्ति खुद को सही दिखाने के लिए अपनी रूढ़िवादिता को बरकरार रखने की कोशिश करता है वो खुद को एक गलत स्थिति में पंहुचा देता है। –महात्मा गांधी

तेरे द्वार खड़ी सरकार भक्त भर दे रे तिजोरी

सभी जानते हैं कि सरकार की शासन प्रशासन व्यवस्था जनता के द्वारा दिए गए (अरे नहीं, लिए गए) टैक्स से चलती है। भले ही आपके वोट द्वारा तथाकथित चुने हुए विधायक और सांसद जब सदन में बैठते हैं तो वह सरकार के हिस्से हो जाते हैं चाहे पक्ष में हों अथवा विपक्ष में। पक्ष में बैठ कर तो सरकार की हां में हां और विपक्ष में होने पर चुपचाप वाद-विवाद सुनना या हुल्लड़ मचाना। चुप रहने पर भी लगता ऐसा है कि सरकार के पक्ष में हैं। इस स्थिति का लाभ सरकार उठाकर अपने हित (पार्टी हित) के प्रस्ताव पास कर लेती है। मुफ्त बांटने की सभी योजनाओं में बहुधा ऐसा ही होता है। जब सरकार कोई टैक्स वृद्धि करना चाहती है अथवा लुटे-पिटे अपने लोगों को कुछ मुफ्त देने का प्रयास करती है, भले ही आम जनता के लिए ऐसे प्रस्ताव अहितकर हों। कारण साफ़ है कि जब जनता चिल्लायेगी तो विपक्ष को उसका राजनीतिक लाभ मिलेगा। इसलिए जनता के अहितकर कुछ मुद्दों पर सदन में अधिक विरोध नहीं होता।

अभी इसी अखबार के सितम्बर 13 के अंक में श्री सी ए शंकर अग्रवाल द्वारा बहुत सूंदर सम्पादकीय लिखा है शीर्षक है "सब कुछ मुफ्त बांटने की वृति के कारण राजस्थान सरकार का बढ़ता कर्ज चिंता का विषय:" लेख का विषय सामग्री और विवेचन अर्थपूर्ण और सराहनीय है। यहाँ एक लेखक की व्यथा साफ़ दिखती है। लेकिन राजस्थान की प्रजा से जैसा वांछित है, वे न तो लेख पढ़ते और न ही कोई विरोध। इसलिए अनेक मुद्दों पर न तो उनकी कोई सोच होती है और न ही कोई प्रतिक्रिया। उक्त लेखक ने कुछ वर्षों का प्रदेश पर बढ़ता ऋण दर्शाया है। लगातार बढ़ते ऋण से प्रदेश पर वर्ष 2022-2023 में 537013 करोड़ रुपये अर्थात पांच लाख सैंतीस हज़ार करोड़ का कर्जा है। पूर्व के ऋणों का पता नहीं कि चुकाए गए या नहीं ? कुछ भी हो सरकार को इस बढ़ते ऋण से कोई चिंता नहीं प्रदेश के मुख्यमंत्री बड़े दानी हैं अपनों को लप/अंजुल (दोनों हाथ की मिला कर हथेलियां) भर भर देते हैं। इसकी चुकाने की उन्हें कोई चिंता नहीं रहती। ऋण कई वर्षों से बढ़ता ही जा रहा है। शायद उन्होंने मान लिया है, कि दूसरी सरकार चुकायेगी। और यदि भाग्यववश खुद ही चुकाना पडा तो अनेक रास्ते है। भविष्य में टैक्स बढ़ाने और लगाने के, किसने देखा है ? फिलहाल तो काम निकलना चाहिए।

प्रजा के अंधे रहने, गूंगे रहने, मूक रहने और दिमागी दिवालिएपन से किसी आम नागरिक में सामर्थ नहीं कि वह अपने कुछ साथिओं से मिल कर सुप्रीम कोर्ट या हाई कोर्ट में सुप्रीमकोर्ट सीनियर अधिवक्ता श्री अश्वनी जी की भान्ति याचिकाओं के ढेर लगा दें, कोर्ट को प्रार्थना करें कि सरकारी धन का मुफ्तखोरी में व्यय रोका जाय। ऑडिटर जनरल ऑफ़ इंडिया को गुहार लगाए कि मुफ्त का सरकारी व्यवसाय अवैधानिक घोषित हो। किसी भी ऐसे सरकारी धन के खर्च को वसूलने की जिम्मेदारी व्यक्तीश: ऑडिटर जनरल की की जाय।

प्रधान मंत्री को यह भ्रष्टाचार प्रतीत नहीं होता क्या ? जो कभी सामान्य बजट में पास नहीं किया जाता। इस प्रकार यह धंधा राजकीय खजाने पर डाका है। यह बात एक बहुत वरिष्ठ व् प्रतिष्ठित बृद्ध अधिवक्ता आपकी अदालत में जन प्रतिनिधिओं को डाकू करार दिया है। मेरा तो अब सुझाव है कि सभी प्रादेशिक और केंद्रीय बजट (रक्षा बजट को छोड़कर) विस्तृत रूप से अखबार में जनता के संवाद के लिए छपें और सभी सुझाव जिला स्तर पर एकत्रित कर केंद्र/प्रदेश मुख्य सचिव को प्रेषित किये जायँ। सर्व सम्मति होने पर ही सरकार बजट पास करे। अनुमोदित बजट से इधर-उधर कोई खर्च नहीं किया जाय।

सभी प्रकार की सब्सिडी जैसे रसोई गैस राशन, आदि पर बंद हो। सभी प्रकार के आरक्षण संविधान में बदलाव कर निरस्त किये जांय। पांच पीढियां निकल जाने के पश्चात् भी पिछड़े, गरीब व् अन्य सरीखे यदि सामान्य वर्ग के बराबर नहीं आ पाए, तो इसके लिए आम जनता चिरकाल तक उत्तरदायी नहीं ठहराई जा सकती, उसे क्यों प्रताड़ित किया जा रहा है?

सभी प्रकार की सब्सिडी जैसे रसोई गैस राशन, आदि पर बंद हो। सभी प्रकार के आरक्षण संविधान में बदलाव कर निरस्त किये जांय। पांच पीढियां निकल जाने के पश्चात् भी पिछड़े, गरीब व् अन्य सरीखे यदि सामान्य वर्ग के बराबर नहीं आ पाए, तो इसके लिए आम जनता चिरकाल तक उत्तरदायी नहीं ठहराई जा सकती, उसे क्यों प्रताड़ित किया जा रहा है?

देश की प्रतिभाओं की तो पूर्व की सभी केन्द्रीय सरकारों ने हत्या कर दी और अभी भी कर रही है। जागरूक जनता की आँख तो तब खुली जब रूस-यूक्रेन युद्ध के समय हज़ारों भारतीय विद्यार्थी उक्रेन से सरकारी हस्तक्षेप से भारत लाये जा सके। सभी प्रदेश और केंद्र के शिक्षा सचिव और बड़े अधिकारी एक बड़े प्रज्वलित अग्नि कुंड में स्वगँ हवन कर दें यदि उनकी रगों में लेशमात्र भी देश का खून बह रहा हो। अमृत महोत्सव और न जाने क्या क्या जनता को मूर्ख और भ्रमित करने को सफूगे मनाये जा रहे हैं लेकिन देश के बच्चों की शिक्षा की समुचित व्यवस्था नहीं बनाई जा रही? नयी शिक्षा नीति का ढिंढोरा पीट दिया लेकिन वही ढाक के तीन पात। सब कुछ वैसा ही, कोई परिवर्तन नहीं।

माँ-बाप अपने बच्चों की शिक्षा के लिए अपनी सम्पति तक बेच कर विदेश में प्रवेश दिलवाते हैं, असंख्य बिचोलिये ऐसे बच्चो की सच्चाई से सहायता भी करते हैं। मेरा सुझाव है कि अध्ययन पश्चात् ये छात्र स्वदेश नहीं लौटें कहीं अन्य देश में भविष्य उन्नत कर अपनी प्रतिभा को निखारें। कोई भारतीय मूल का व्यक्ति जब विदेश में नाम कमाता है अथवा किसी उच्च पद पर पहुँचता है तो हम भारतीय ख़ुशी से अघाते नहीं, सब श्रेय भारतवंशीय को देते हैं जबकि सच ये है कि देश में उन्हें कम सुविधाओं, आरक्षण और अप्रत्याशित ऊंची मेरिट के कारण आगे बढ़ने का अवसर नहीं मिला तो फिर अपने भाग्य और सभी पूँजी बेच कर विदेश का रुख करना पडा। ऐसे में हमें श्रेय लेने में शर्म नहीं आती ?

विषयवार किस योग्यता के कितने व्यक्ति चाहिए, इसका कोई आंकलन नहीं होता फिर नयी शिक्षा नीति का क्या आधार रहा? सरकार के पास सर्वे और सांख्यकिकी विभाग मौजूद हैं वहां क्या काम होता है? लेखक को ही नहीं मालूम? हाँ दो काम वहां देखने को मिल जायेगे– ऑफिसरों और सभी कर्मचारिओं का चाय पीने और पान खाने जाना। भोजन अवकाश आधा घंटा का प्रावधान होने पर एक घंटे से पूर्व कोई अपनी सीट पर नहीं लौटना। उस पर केवल पांच दिन कार्यदिवस और वह भी पुरे समय कभी नहीं।

मैं फिर प्रस्ताव करता हूँ कि सभी सचिवों को दो सहायक दिए जायँ, बाकी स्टाफ कार्य मुक्त कर दिए जायँ। सफेदपोशों की फौज में कतिपय ही अपने कार्य ठीक से निष्पादित करते हैं वांछित परिवर्तन यदि नहीं होता हैं तो कोई तानाशाह बन इस काम को एक दिन में करेगा। मैं पूर्व प्रधान मंत्री श्रीमती इंदिरा गाँधी की सराहना करता हूँ कि एक रात (दिन भी नहीं) में पूरा देश अनुशासन में आ गया। सरकार अपने स्तर पर इस बात का सर्वे करा ले कि जनता वैसा अनुशासन (नसबंदी जैसी अति नहीं) चाहती है क्या ?

राजस्थान सरकार ने सरकारी खर्च में अभी वृद्धि कर ली जिसका वित्तीय आंकलन शायद प्रकाशित नहीं हुआ। राज्य में 19 ज़िलों की बढ़ोतरी और एक शहर में डेवलपमेंट अथॉरिटी। क्या इनसे विभिन कैडर के व्यक्तिओं की जरुरत नहीं बढ़ेगी? क्योंकि वर्तमान के जिलों में कार्य की अधिकता तो है ही, इसलिए अन्य जिलों से डिप्लॉयमेंट संभव नहीं ? खैर मैंने दर्पण दिखा दिया है आगे जो प्रभावित होने वाले हैं वे सचेत हो जांय। क्योंकि चुनाव निकट हैं।

मुफ्त की रेवड़ी भी बटेगी, आश्वासन भी दिए जायेंगे। नकदी राशि भी मिलना संभव हो सकती है, आरक्षण की सीमा में भी फेरबदल के लिए लुहावने वादे मिलेंगे, गरीब की सीमा में भी बदलाव संभव है, यानी वह सब कुछ संभव है जिससे जनता हमेशा की तरह मूर्ख बन, भ्रमित हो जाय और मूर्ख बनाने वाले को मूर्ख वोट दे दे।

मैं समझता हूँ आप बुद्धिमान और विवेकशील हैं। थोड़ा लिखा ज्यादा समझना। आखिर में कुछ शब्द उन लोगों के लिए जो अपनी ऊपरी मंज़िल विध्यमान और सक्रीय होते हुए भी कम इस्तेमाल करते हैं : तथाकथित जी होकम - अकर्मण्य कर्मचारिओं के लिए, ; जो सुख चाहवे जीव कू तो गेल्या बनके रह ; और जब तक जीवो ऋण ले घी पीवो और सुख से जीवो। भिखारी की झोली में कभी कुछ डाले बिना लौटना नही, वैसे झोली बिना आपके डाले भरेगी अवश्य।

–अतिथि सम्पादक,
प्रो.डॉ. वीर बहादुर सिंह,
(पूर्व कुलपति एवं डेयरीविज्ञ महाराणा प्रताप कृषि एवं खाद्य प्रौद्योगिकी वि.वि., उदयपुर-राज.)

शांति स्वरूप वीतराग परिणति उत्तम सत्य धर्म है, सत्य का विकल्प नहीं

भागचंद जैन मित्रपुरा

उत्तम सत्य धर्म से तात्पर्य मात्र सत्य वचन बोलना ही नहीं है। सत्य धर्म और सत्य वचन दोनो भिन्न भिन्न हैं। झूठ नही बोलना, जैसा देखा, सुना, जाना वैसा बोलने को सत्य कहा जाता है। आत्मा भी एक द्रव है, अत: वह सत् स्वभावी है। सत्य स्वभावी आत्मा में जो शांति स्वरूप वीतरागता उत्पन्न होती है, उसे सत्य धर्म कहते है। अपने अन्तर में विद्यमान ज्ञानानन्द स्वभाव से उत्पन्न हुआ ज्ञान, क्षमादान एवं वीतराग परिणति ही उत्तम सत्य धर्म है और वही मोक्ष का कारण है।

जैसा कि हमारे गुरुओ ने कहा है कि–"**सद्रभ्यों हिंत सत्यम**"

कहने का तात्पर्य यह है कि जो सज्जनों को हितकर है वही सत्य है।

जीवन में सभी के लिए सत्य का अत्यधिक महत्व है। प्रत्येक धर्म मे किसी न किसी रूप मे सत्य की प्रतिष्ठा की गई है। जैन धर्म में इसे पंच महाव्रत और पंचाणुव्रत में स्थान दिया गया है। असत्य भाषण पाप है, क्योंकि असत्य भाषण का मूल कषाय है और जहाँ कषाय है वहा हिंसा होती ही है। अतएव असत्य भाषण से भी अवश्य हिंसा होती है। अहिंसा के बाद सत्य का क्रम आता है।

सत्य क्यों बोलना चाहिये –

1) क्योंकि झूठ बोलना बुरे काम मे बढ़ोतरी करना है।

2) सत्त जो स्त शब्द से आया है, जिसका मतलब है वास्तविक होना। वस्तुस्थिति, तथ्य से अवगत होना।

उत्तम सत्य धर्म हमे यही सिखाता है कि आत्मा की प्रकृति जानने के लिए सत्य आवश्यक है और इसके आधार पर ही परम आनंद मोक्ष को प्राप्त करना संभव है। अपने मन को, आत्मा को सरल और शुद्ध बना ले तो सत्य अपने आप ही आ जायेगा।

सत्य बोलना अर्थात् सही का चुनाव करना जैसे उचित व अनुचित मे से उचित का चुनाव करना शाश्वत व क्षण भंगुर मे से शाश्वत को चुनना।

कहा जाता हैं कि जो सत्यवादी होता है, उसका आत्मबल मजबूत होता है। उसकी आत्मा में विश्वास रूपी हजारों हाथियों का बल होता है। सत्य कभी परास्त नहीं होता है। सत्य दुर्लभ नहीं होता है, अपंग नही होता है एवं विपरीत परिस्थितियों में भी एक समय आता है जब सत्य विजय की प्राप्ति अवश्य करता है।

सत्य बोलना बड़ा कठिन माना जाता है, जबकि यह बहुत ही सरल होता है। सत्य का मार्ग तलवार की धार के समान हो सकता है, लेकिन जीत अन्तत: सत्य की ही होती है।

वाल्मीकि रामायण में लिखा है, सत्यम्वेश्वरो लोके सत्ये धर्म: सदाश्रित:। लोक में सत्य ही ईश्वर है। धर्म सदा सत्य में ही रहता है। इसका अर्थ है कि विजय हमेशा सत्य की होती है। वेद, शास्त्र एवं पुराणों में कहा गया है कि सत्य के समान दूसरा धर्म नहीं है। सत्य को याद नहीं रखना पड़ता है।

झूठ में आकर्षण हो सकता है, पर स्थिरता तो सत्य में है। सत्य वचन सुनने और बोलने से बढ़कर आनंदप्रद और कुछ भी नहीं है। महात्मा गांधी ने कहा है कि सत्य से भिन्न कोई परमेश्वर नहीं है। अपनी आत्मकथा का नाम ही उन्होंने सत्य के प्रयोग रखा। मनुष्य लोभ के वशीभूत होकर झूठ बोलता है। बालक अपने शैशवकाल में सत्य ही बोलता है, पर हम अपने स्वार्थवश उसे असत्य की राह पकड़ा देते हैं।

एक रिसर्च में सामने आया है कि असत्य वचन के कारण दीर्घकालीन बीमारियां - ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, कोलेस्ट्रॉल, याददाश्त कमजोर होना, जल्दी घबराहट होना आदि बहुत सारी बीमारियां घर कर लेती है। धर्म का मूल गुण है, इसके पालन करने वालों को मानसिक एवं शारीरिक शक्ति प्रदान करना एवं बीमारियों से दूर रखना। अत: हम समझ सकते है कि जीवन के हर पड़ाव पर सत्य का पालना करना आवश्यक है।

दूसरी ओर इसके पालन करने से, उसे उत्तरदायित्व निभाने वाला माना जाता है, जिससे विश्वसनीयता बढ़ती है और अंततोगत्वा उसे सम्मानित नजरो से देखा जाता है। कवि द्यानतराय जी ने पूजा में लिखा है –

उत्तम-सत्य-वरत पालीजै,
पर-विश्वासघात नहिं कीजे।
सांचे- झूठे मानुष देखो,
आपन-पूत स्वपास न पेखो।।
उत्तम सत्य व्रत का पालन करे,
विश्वासघात न करें। सच्चे - झूठे इंसानों को देखो, खुद को-संतान को ध्यान में ना रखो।

कविवर आगे लिखते है –

उत्तम सत्य वचन मुख बोले,
सो प्राणी संसार न डोले।

Speak the perfect truth, so that the movement of living beings may end. Salvation is attained

उत्तम सत्य धर्म अपनाने मात्र से जीवों का संसार से आवागमन समाप्त हो जाता है। मोक्ष प्राप्त हो जाता है।

संकलन--भागचंद जैन,
अध्यक्ष, अखिल भारतीय जैन बैंकर्स फोरम, जयपुर।

प्रशासन की मिलीभगत से हो रहे अवैध बजरी खनन के खिलाफ प्रदर्शन

भीलवाड़ा, (निसं)। प्रदेश में हो रहे अवैध बजरी दोहन व परिवहन रोकने को लेकर नागरिक अधिकार मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय पर प्रदर्शन किया और जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा।

जानकारी के अनुसार जिले में बजरी का ठेका नहीं होने के बावजूद भी खनिज विभाग पूर्व के ठेकेदारों की मदद से अवैध खनन भारी मात्रा में करवा रहे हैं। खनिज विभाग द्वारा बजरी एवं खनन माफिया से मिलकर हमेशा करोड़ों रुपए के राजस्व का नुकसान किया जा रहा है। खनिज विभाग में प्रशासन की मिलीभगत से अवैध बजरी दोहन परिवहन से राजस्व को नुकसान के साथ-साथ पर्यावरण को भारी नुकसान हो रहा है यह सब संबंधित विभाग की मिलीभगत से हो रहा है।

नागरिक अधिकार मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा।

नदियों की वास्तविक स्थिति को बिना ठेके के खनन करना कानूनी अपराध है परंतु खनिज विभाग के अनदेखी से फर्जी टोकन सिस्टम के कारण माफिया करोडों की वसूली परिवहन करने वाले उपभोक्ताओं व वाहन वालों से कर रहे हैं। खनिज विभाग के रसीद के बिना हजारों ट्रैक्टर, डंपर व ट्रोले में बजरी कर अवैध खनन कर परिवहन कर रहे हैं परंतु प्रशासन विभाग आंखें बंद करके देख रहा है। अवैध खनन परिवहन से हाल ही में दो छात्रों के दर्दनाक मृत्यु हो गई परंतु इस पर प्रशासन ध्यान नहीं दे रहा है।

इस मांग को लेकर जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय पर नागरिक अधिकार मोर्चा के संयोजक महेंद्र श्रोत्रिय के नेतृत्व में उपाध्यक्ष विश्वनाथ गर्ग, शिवकुमार शर्मा, प्रेम सिंह, माधु रैगर, भैरूलाल जाट, विकास यादव, मनोज श्रोत्रिय, राजु शर्मा, सुधाकर शर्मा, योगेश विजयवर्गीय, पंकज दाधिच, राजेश शर्मा, शुभम नराणिया, गोपाल शर्मा, वंदना राजपूत, सुमन कुमारी, जीत नराणिया सहित सभी ने जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय पर इकट्ठे होकर प्रदर्शन किया और जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। खनिज विभाग व प्रशासन को नींद से जगाने के लिए शनिवार को सद्बुद्धि यज्ञ किया जाएगा। खनिज विभाग के अधिकारी व कर्मचारी इस पारदर्शी सरकार को बदनाम व राजस्व नुकसान करने में लगे हुए इसके लिए आगामी दिनों में रणनीति तैयार कर भीलवाड़ा से जयपुर तक पैदल मार्च किया जाएगा।

मनचलों से परेशान छात्रा ने कलेक्टर से न्याय की गुहार लगाई

- **जिला कलेक्टर के निर्देश पर एक्शन में आई अलीगढ़ पुलिस, मामला दर्ज किया**
- **छात्रा 13 सितंबर को अलीगढ़ थाने पर पहुंची तो पुलिस ने परिवाद लेकर भेज दिया था**

चौरु/उनियारा, (निसं)। प्रदेश की सरकार छात्राओं के बेहतर शिक्षा एवं सुरक्षा के लंबे-लंबे दावे करती है। लेकिन हकीकत में इन दावों की पालना करवाने वालों की लापरवाही दावों पर उलटी पड़ती है। ऐसा ही एक मामला अलीगढ़ थाना पुलिस की कार्यशैली का देखने का मिला। थाना इलाके में रहने वाली एक छात्रा मनचलों से परेशान होकर 13 सितंबर को अलीगढ़ थाने पर पहुंची तो पुलिस ने परिवाद लेकर वापस भेज दिया, लेकिन मनचलों पर किसी प्रकार की काई कार्रवाई नहीं की गई।

परेशान छात्रा ने सात दिन तक किसी प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं होने पर जिला कलेक्टर चिन्मयी गोपाल के पास पहुंचकर न्याय की गुहार लगाई। अलीगढ़ की बेटी ने कलेक्टर से गुहार लगाई की मनचले लड़के उसको स्कूल जाते-आते समय परेशान करते हैं एवं अश्लील हरकतें करते हैं। कलेक्टर को बताया कि रात्रि एवं दिन के समय गली में एवं घर के आसपास बाइक दौड़ाते हैं। जिससे हर समय मेरे साथ अनहोनी होने का अंदेशा सताता रहता है। पीड़ित बेटी की बात सुनकर कलेक्टर ने शीघ्र पुलिस के आलाधिकारियों को निर्देश दिए, जिसके बाद अलीगढ़ थाना पुलिस ने साहिन पुत्र सरदार मंसूरी, शोयब पुत्र शब्बीर आलम, दानिश पुत्र सरदार मंसूरी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच थानाधिकारी हेमराज मीणा को सौंप दी। पीड़ित छात्रा ने जिला कलेक्टर एवं दर्ज मामले में पुलिस पर आरोप लगाया कि जब वह थाने जाकर मनचलों पर कार्रवाई करने की मांग की तो पुलिस ने छात्रा से सबूत मांगे।

हेमराज मीणा, थानाधिकारी, अलीगढ़ का कहना है कि छात्रा की शिकायत पर मनचलों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच की जा रही है। शीघ्र ही कानूनी कार्रवाई की जाएगी। विद्यालयों के आसपास विचरण करने वाले मनचलों पर टीमें बनाकर कार्रवाई की जाएगी।

सादुलपुर में खाद्य सामग्री के आठ नमूने लिये गये

- **सादुलपुर और सांखू में खाद्य लाइसेंस जारी किए**

सादुलपुर, (निसं)। जिले में खाद्य पदार्थों के नमूनों के लिये चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत शुक्रवार को खाद्य सुरक्षा टीम ने सादुलपुर में 8 नमूने लिये। सीएमएचओ डॉ. मनोज शर्मा ने बताया कि जिला कलेक्टर सिद्धार्थ सिहाग के निर्देशानुसार टीम ने शहर में मेसर्स जैन जलपान गृह से रसगुल्ला का नमूना, मैसर्स जैन किराना स्टोर से घी का नमूना, मेसर्स बीकानेर मिष्ठान भंडार से रसगुल्ला, मैसर्स प्रवीण किराना स्टोर से घी, मैसर्स कानजी सैनी मिष्ठान भंडार से रसगुल्ला व कलाकंद, मैसर्स सती सेवन मसाला उद्योग से मिर्च व धनिया का नमूना लेकर जांच के लिये प्रयोगशाला भिजवाया गया है तथा जांच आने के बाद दोषी पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

इसके अलावा खाद्य लाईसेंस और रजिस्ट्रेशन के लिए विशेष शिविर शुक्रवार को राजगढ़ में तथा गुरुवार को सांखू में लगाया गया।

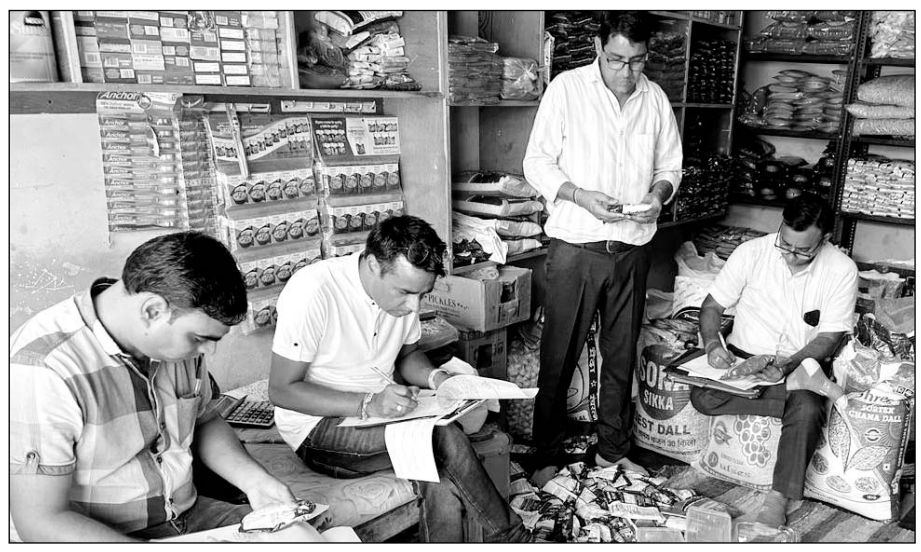

जिले में खाद्य पदार्थों के नमूनों के लिये चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत सादुलपुर में खाद्य सामग्री के खाद्य सुरक्षा टीम ने नमूने लिये।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज शर्मा ने बताया कि राज्य के खाद्य सुरक्षा आयुक्त की ओर से जारी दिशा-निर्देशानुसार राजगढ़ के आसपास क्षेत्र के जुडे खाद्य कारोबारियों के लाईसेंस एवं रजिस्ट्रेशन के विशेष शिविर में 39 तथा गुरुवार को सांखु में 40 व्यापारियों ने आवेदन किया। सभी को रजिस्ट्रेशन कर खाद्य लाइसेंस जारी किया गया। सीएमएचओ ने बताया कि सभी खाद्य पदार्थ व्यापारी व सब्जी व्यापारियों और किराना व्यापारियों के शिविर में नए लाइसेंस बनवाएं।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शनिवार 23 सितम्बर, 2023

भाद्रपद मास, शुक्ल पक्ष, अष्टमी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2080, ज्येष्ठा नक्षत्र दिन 3:34 तक, आयुष योग रात्रि 11:42 तक, वणिज करण दिन 1:36 तक, चन्द्रमा आज दिन 3:54 से धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-वृश्चिक, मंगल-कन्या, बुध-सिंह, गुरू-मेष, शुक्र-कर्क, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज भद्रा दिन 1:36 से रात्रि 12:57 तक है। आज मुक्ता भरण सप्तमी, सन्तान दुबड़ी सप्तमी, ललिता सप्तमी है। आज से महालक्ष्मी व्रत आरम्भ होंगे।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 7:49 तक, लाभ-अमृत 7:49 से 10:49 तक, शुभ 12:20 से 1:50 तक, चर 4:50 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 6:14, सूर्यास्त 6:21

मेष

पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा।

वृष

आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बना रहेगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त हो सकता है। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी।

मिथुन

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

कर्क

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिव समस्या का समाधान हो सकता है।

सिंह

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

कन्या

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला

विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक

व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा।

धनु

घर-परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

मकर

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

कुंभ

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे।

मीन

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता से मनोबल बढ़ेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।